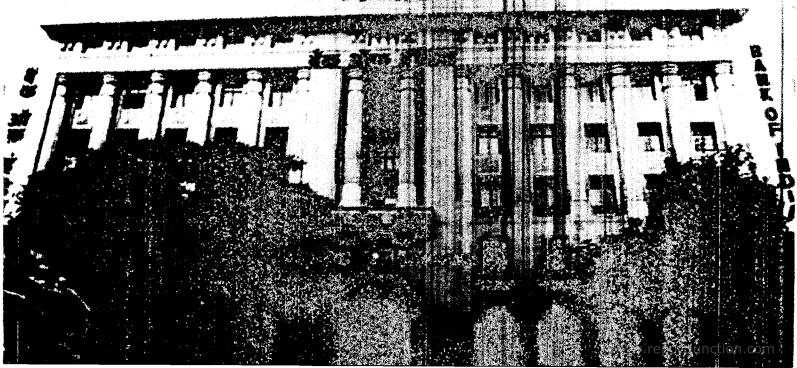
वार्षिक रिपोर्ट 1997-98

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India

4	-	م فتناسد بالتد			
	MD			BKC	
	CS	N.25		DPY	A 14
1	RO			DIV	
	TRA	William Com		AC	Carrier == 2)
	A GM	and principles		SHI	
	YE		entropy and markets		





विषय सूची		CONTENTS			
बैंक के कार्य निष्पादन की मुख्य बातें	4	Highlights of the Bank's Performance	4		
बैंक के मुख्य वित्तीय आंकड़े	5	Key Financials of the Bank	5		
सूचना	. 6	Notice	7		
अध्यक्षीय वक्तव्य	8	Chairman's Statement	8		
प्रक्रियागत कार्यनीति	10	Strategy in Making	10		
निदेशकों की रिपोर्ट	16	Director's Report	16		
शेयरधारकों के लिए सूचना	38	Information for Shareholders	38		
तुलन-पत्र	40	Balance Sheet	40		
लाभ व हानि लेखा	41	Profit & Loss Account	41		
नकदी प्रवाह विवरण	56	Cash Flow Statement	56		
आंचलिक कार्यालय	58	Zonal Offices	58		
शाखाओं की राज्यवार स्थिति	59	Statewise distribution of branches	59		
विदेश स्थित शाखाएं	60	Foreign Branches	61		
अनुषंगी कंपनियां/सहयोगी संस्थाएं/संयुक्त उद्यम/न्यास	62	Subsidiaries/Associates/Joint Ventures/Trust	62		

हमारा लक्ष्य

''सर्वश्रेष्ठ और व्यावहारिक बैंकिंग भूमंडलीय बाजारों में प्रदान करने के लिए एक विकास बैंक की भूमिका निभाते हुए लागत प्रभावी और दायित्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करना और ऐसा करते हुए हमारे पूंजी निवेशकों की अपेक्षाओं को पूरा करना.''

हमारा दृष्टिकोण

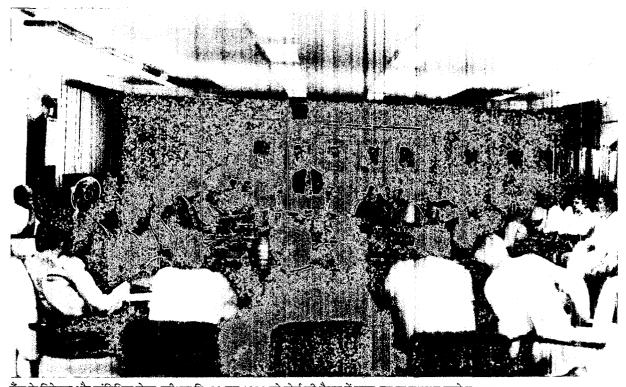
''कंपनियों, मध्यम श्रेणी के व्यापारियों और दूरदराज के छोटे आम ग्राहकों का मनपसंद बैंक बनना. छोटे व्यापारियों, ग्रामीण बाजारों और सामान्य बाजार को लागत प्रभावी विकासमान बैंकिंग प्रदान करना''

Our Mission

"to provide superior, proactive banking services to niche markets globally, while providing cost-effective, responsive services to others in our role as a development bank, and in so doing meet the requirements of our stakeholders".

Our Vision

"to become the bank of choice for corporates, medium businesses and upmarket retail customers and to provide cost effective developmental banking for small business, mass market and rural markets"



बैंक के निदेशक और सांविधिक लेखा-परीक्षक दि. 22 जून 1998 को बोर्ड की बैठक में तुलन-पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए The Directors of the Bank and Statut<mark>ory Aud</mark>itors signing the Balance Sheet at the Board Meeting on 22nd June, 1998



बैंक ऑफ़ इंडिया

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय एक्सप्रेस टावर्स, नरीमन पॉइंट मुम्बई - 400 021

Bank of India

(A Government of India Undertaking)

Head Office

Express Towers, Nariman Point, Mumbai - 400 021

निदेशक मण्डल

श्री मनोहर भिडे अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

श्री एस. गोपालाकृष्णन कार्यपालक निदेशक

श्री गजेन्द्र हल्दिया

श्री बी. ए. पाटिल

श्री जे. एस. बैलूर

श्री. एम. एल. गाला

श्री कमलेश कुमार गोयल

श्री रशपाल मल्होत्रा

प्रो. (श्रीमती) किश्वर शब्बीर खान

सुश्री कला श्रीनिवास पंत

श्री अलादी वेंकट सदाशिव

श्री युगराज एस. भदौरिया

Board of Directors

Shri M. G. Bhide

Chairman & Managing Director

Shri S. Gopalakrishnan

Executive Director

Shri Gajendra Haldea

Shri B. A. Patil

Shri J. S. Bailur

Shri M.L. Gala

Shri Kamlesh Kumar Goel

Shri Rashpal Malhotra

Prof. (Smt.) Kishwar Shabbir Khan

Ms. Kala Shriniyas Panc

Shri Alladi Venkata Sacasiva

Shri Yugraj S. Bhadauria

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net



श्री मनोहर भिडे अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक Shri M. G. Bhide Chairman & Managing Director

নিইগক স্তভল BOARD OF DIRECTORS



श्री एस. गोपालाकृष्णन कार्यपालक[†] निदेशक Shri S. Gopalakrishnan Executive Director



श्री गजेन्द्र हल्दिया Shri Gajendra Haldea



श्री बी. ए. पाटिल Shri B. A. Patil



श्री जे. एस. बैलूर Shri J. S. Bailur



श्री. एम. एल. गाला (31.05.1998 तक) Shri M.L. Gala (upto 31.05.1998)



श्री कमलेश कुमार गोयल Shri Kamlesh Kumar Goel



श्री रशपाल मल्होत्रा Shri Rashpal Malhotra



प्रो. (श्रीमती) किश्वर शब्बीर खान Prof. (Smt.) Kishwar Shabbir Khan



सुश्री कला श्रीनिवास पंत Ms. Kala Shrinivas Pant



श्री अलादी वेंकट सदाशिव Shri Alladi Venkata Sadasiya



श्री युगराज एस. भदौरिया Shri Yugraj S. Bhadauria

THE STATE OF THE S



श्री कृष्णमोहन महरौत्रा Shri K. M. Mehrotra



श्री एस एल दवे Shri S. L. Dave



श्री वी. एच. रामकृष्णन Shri V. H. Ramakrishnan



श्री एच. जे. मेहता Shri H. J. Mehta



श्री ए. आई. शेख Shri A. I. Shaikh



श्री जे. वाई. दीवानजी Shri J. Y. Divanji



श्री एन. एस. नायक Shri N. S. Nayak



श्र<mark>ी पी. आ</mark>र. याज्ञिक Shri P. R. Yagnik



श्री एस. एस. कोहली Shri S. S. Kohli (मुख्यसतर्कता अधिकारी) (Chief Vigilance Officer)



श्री एस. के. पुरी Shri S. K. Puri



श्री आर. एन. बुच Shri R. N. Buch



श्रीमती रंजना कुमार Smt. Ranjana Kumar



श्री पी. एस. शिनॉय Shri P. S. Shenoy



श्री एम. वेणुगोपालन Shri M. Venugopalan



श्री पी. वी. पलसोकः Shri P. V. Palsokar



श्री आर. वी. जोशी Shri R. V. Joshi



श्री ए. एम. आरोन्देकर Shri A. M. Arondekar



श्री आर. एम. देसाई Shri R. M. Desai

साविधिक लेखा - परीक्षक Statutory Auditors एस. विश्वनाथन S. Viswanathan

रमनसाल जी. शाह एन्ड कं. Ramanial G. Shah & Co.,

एल. एस. नलवाया एन्ड कं.

जैन एन्ड एसोसिऐटस् Jain & Associates

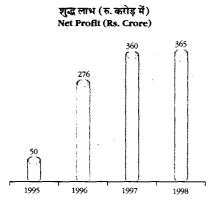
हो. पी. चेंटजी एन्ड कं. D. P. Chatterjee & Co., चंड्योक एन्ड गुलियानी Chandiok & Guliani

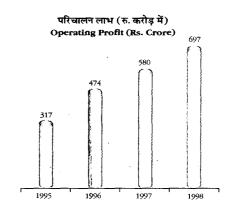
L. S Nahwaya & Co.,

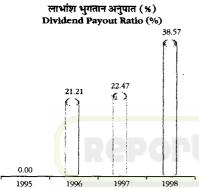


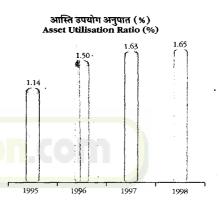
बैंक के कार्य निष्णादन की युख्य बातें (पार्च सप्राप्ति पर)

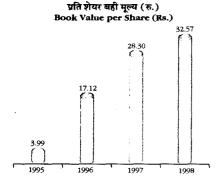
HIIGHILIGHTS OF THE BANK'S PERFORMANCE (At March-end)

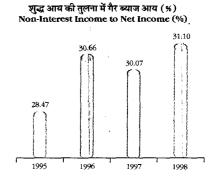


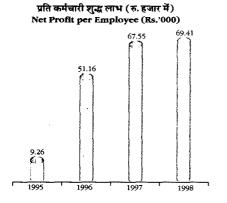


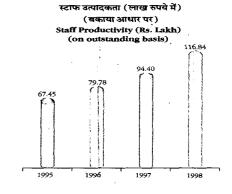














बैंक के जुख्य कित्तीय अंकड़े (तुलनपत्र के आकड़ो पर आधारित)

KEY PINANCIALS OF 16th BANK (Based on Balance Sheet Deet)

		1995	1996	1997	1998
पुख्य-मुख्य वित्तीय क्षेत्रों में प्रगति	Progress under selected Financials				
जमाराशियाँ (रुपए करोड़ में)	Deposits (Rs crore)	24480	27523	31973	39339
अग्रिम (रुपए करोड़ में)	Advances (Rs crore)	12208	15596	18337	2202
ऋण-जमा अनुपात (%)	Credit-Deposit Ratio (%)	49.87	56.67	57.35	55.98
परिचालनगत लाभ (रुपए करोड़ में)	Operating Profit (Rs crore)	317	474	580	69
शुद्ध लाभ (रुपए करोड़ में)	Net Profit (Rs crore)	50	2 7 6	360	36
पुख्य-मुख्य कारोबारों में उतार-चढ़ाथ (%)	Key Business Variables (%)				
जमाराशियों में वृद्धि	Growth in Deposits	14.29	12.43	16.17	23.0
अग्रिमों में वृद्धि	Growth in Advances	11.77	27.75	17.57	20.0
निवेशों में वृद्धि	Growth in Investments	23.30	06.55	11.34	22.1
आस्तियों में वृद्धि	Growth in Assets	18.34	09.68	14.72	22.1
आस्तियों की तुलना में अग्रिम	Advances to Assets	40.48	47.15	48.32	47.5
निधि उपयोग अनुपात	Funds Utilisation Ratio	70.30	76.12	76.45	75.6
नकदी की तुलना में कुल आस्तियाँ	Cash to Total Assets	0.57	0.57	0.64	0.4
नाभप्रदता अनुपात (%)	Profitability Ratios (%)				
औसत आस्तियों पर आय	Return on Average Assets	0.18	0.87	1.01	0.8
औसत शुद्ध हैसियत पर आय	Return on Average Net Worth				
(पुनर्मूल्यन आरक्षितियों <mark>को</mark> छोड़कर)	(excluding revaluation reserves)	12.05	31.12	26.80	19.3
प्रति शेयर आय (रु)	Earnings Per Share (Rs)	0.26	4.75	6.03	5.7
आस्ति उपयोग अनुपात 🦊	Asset Utilisation Ratio	1.14	1.50	1.63	1.6
प्रति कर्मचारी शुद्ध लाभ (रु. हजार में)	Net Profit Per Employee (Rs 000)	9.26	51.16	67.55	69.4
आस्ति देयता प्रबंधन अनुपात (%)	Asset-Liability Management Ratios (%)				
कम लागत की जमाराशियाँ	Low Cost Deposits	37.00	35.36	36.09	31.5
अग्रिमों पर लाभ	Yield on Advances	10.80	12.41	13.17	12.2
जमाराशियों की लागत	Cost of Deposits	6.47	6.91	7.50	6.9
निधियों पर लाभ	Yield on Funds	8.41	9.14	9.89	9.3
निवेशों की लागत	Cost of Funds	5.60	6.13	6.68	6.2
अंतर	Spread	2.81	3.01	3.21	3.0
शुद्ध ब्याज मार्जिन	Net Interest Margin	3.28	3.46	3.64	3.4
कार्य कुशलता सूचक (%)	Efficiency Indicators (%)				
शुद्ध आय की तुलना में परिचालन लागत	Operating Costs to Net Income	70.96	65.48	64.46	62.6
औसत आस्तियों की तुलना में परिचालन लागत	Operating Costs to Average Assets	2.79	2.84	2.96	2.7
प्रति शाखा परिचालन लागत (रु. लाख)	Operating Costs per Branch (Rs lakh)	31.99	36.63	42.46	46.7
शुद्ध आय की तुलना में गैर ब्याज आय	Non- Interest Income to Net Income	28.47	30.66	30.07	31.1
ारलता अनुपात (%)	Liquidity Ratio (%)				
कुल आस्तियों की तुलना में तरल आस्तियाँ	Liquid Assets to Total Assets	45.40	41.59	41.23	36.6
ऋण गुणबत्ता सूचक (%)	Credit Quality Indicators (%)				
शुद्ध अग्रिमों की तुलना में शुद्ध अनुत्पादक आस्ति		10.40	7.01	6.51	7.3
सकल अग्रिमों की तुलना में सकल अनुत्पादक आसि	तेयाँ Gross NPA to Gross Advances	20.94	14.49	11.78	11.5
र्रूजीकरण सूचक (%)	Capitalisation Indicators (%)				
आस्तियों की तुलना में इक्विटी	Equity to Assets	8.05	3.81	5.11	5.0
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	Capital Adequacy Ratio	9.10	8.44	10.26	9.1
लाभांश भुगतान अनुपात	Dividend Payout Ratio		21.21	22.47	38.5



बैंक ऑफ इंडिया

प्रधान कार्यालय: 14 वां तल, एक्सप्रेस टावर्स, नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

ধূত্বপা

एतदृद्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक ऑफ इंडिया के शेयर धारकों की द्वितीय वार्षिक सामान्य बैठक मंगलवार दि. 4 अगस्त, 1998 को अपराहन 2.30 बजे बिरला मातुश्री सभागार, 19, मरीन लाइन्स, मुंबई - 400 020. में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी.

''बैंक ऑफ इंडिया के 31 मार्च, 1998 के तुलन-पत्र तथा इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा तथा लेखा में शामिल अविध में बैंक की कार्यप्रणाली तथा गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन-पत्र एवं लेखा पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना''.

स्थान : मुंबई

दिनांक: 22.6.1998.

भूगी प्रमंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. परोक्षी की नियुक्ति

बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं. परोक्षी फार्म को प्रभावी बनाने के लिए इसे इस के लिए निर्धारित स्थान पर वार्षिक सामान्य बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए.

2. उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-पत्रक पर ''परोक्षी'' या ''प्रतिनिधि'' जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख किया जाना चाहिए.

3. लाभांश का भुगतान

निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश शेयरधारकों को वार्षिक सामान्य बैठक की तिथि से 6 सप्ताह के अंदर डाक से भेज दिया जाएगा.

यह सुनिश्चत करने के लिए कि लाभांश डाक में गुम न हो और भुगतान शीघ्र हो, हमारे मुंबई, नई दिल्ली, कलकत्ता और पुणे के शेयरधारकों को यह विकल्प प्रस्तावित करना तय किया गया है कि वे भारतीय रिज़र्व बैंक की इलैक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस) के जिरए लाभांश का भुगतान पा सकते हैं. इस रिपोर्ट के साथ आवश्यक आदेश पत्र संलग्न किया गया है जिसे भरकर 8.8.1998 से पूर्व हमारे रिजस्ट्रार को पैरा 5 में लिखित पते पर लौटा देना चाहिए.

जालसाजीपूर्ण भुगतान की किसी भी संभावना से बचाव रखने के लिए हमारे वे शेयरधारक जो मुंबई, नई दिल्ली, कलकता और पुणे के अलावा अन्य केंद्रो में रह रहे हैं (जिन्हें फिलहाल ईसीएस सुविधा प्रदान नहीं की गई है) अपने लाभांश पत्रों पर बैंक खाते के विवरण मुद्रित करा सकते है. ऐसे निवेशक जो लाभांश पत्रों पर अपने खाते के विवरण मुद्रित कराना चाहते हों, वे संलग्न फार्म को भरकर हमारे रिजस्ट्रार के पास 8.8.1998 तक भेज दें.

4. अंतरण

अंतरण विलेखों सहित शेयर प्रमाणपत्र, रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को पैरा 5 में लिखित पते पर भेजे जाने चाहिए.

पते में परिवर्तन

शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि उनके पंजीकृत पते में कोई परिवर्तन हो तो वे इसकी सूचना बैंक के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर दें:

मेसर्स पीसीएस इंडस्ट्रीज लि., यूनिट: बैंक ऑफ इंडिया, हाइफा बिल्डिंग, प्रथम तल, अंधेरी कुर्ला रोड, सफेद पुल, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 072.

हे. शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक मे अपने साथ लायें.



Bank of India

HEAD OFFICE: 14TH FLOOR, EXPRESS TOWERS, NARIMAN POINT, MUMBAI - 400 021.



NOTICE IS HEREBY GIVEN that the Second Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of India will be held on Tuesday, the 4th August, 1998 at 2.30 p.m. at Birla Matushri Sabhagar, 19, Marine Lines, Mumbai 400 020, to transact the following business.

"To discuss the Balance Sheet as at 31st March, 1998 and the Profit and Loss account for the year ended on that date, of Bank of India, and the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Report on the Balance Sheet and Accounts."

Place : Mumbai Date : 22.6.1998.

(M.G. BHIDE)
Chairman & Managing Director

1. APPOINTMENT OF PROXY

A Shareholder entitled to attend and vote at the Annual General Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself. The proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the proxy form not later than 4 days before the date of the Annual General Meeting.

2. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance Slip-cum-Entry Pass is annexed to this Report. Shareholders/proxy holders/representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum-Entry Pass at the venue. Proxy/Representative of a shareholder should state on Attendance slip-cum-Entry Pass as "Proxy" or "Representative" as the case may be.

3. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders, as declared by the Board of Directors, shall be mailed within six weeks from the date of the Annual General Meeting.

With a view to ensuring prompt payment of dividend without any risk of loss in transit, it has been decided to offer to our shareholders in Mumbai, New Delhi, Calcutta & Pune the option to receive dividend through Electronic Clearing Service (ECS) of the Reserve Bank of India. Necessary mandate letter enclosed with this report should be completed and returned before 8.8.1998. to our Registrar at the address given in para 5.

To preclude any possibility of fraudulent encashment, our shareholders residing at centres other than Mumbai, New Delhi, Calcutta & Pune (to whom ECS facility is not being offered presently) may like to have their bank account particulars printed on the dividend warrants. Investors who wish to have their accounts particulars printed on dividend warrants, are required to complete the enclosed form and send the same to our Registrar before 8.8.1998.

4. TRANSFERS

Share Certificate along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent at the address given in para 5.

5. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank, at the following address.

M/s. PCS Industries Ltd.,

Unit: Bank of India,

Hyfa Building, 1st Floor,

Andheri-Kurla Road, Safed Pool,

Andheri (East), Mumbai - 400 072.

6. Shareholders/Proxy holders/representatives are requested to bring their copies of the Annual Report to the Annual General Meeting.



अध्यक्षीय वक्तव्य

आज विश्व के सकल घरेलु उत्पाद में 21% योगदान देने वाले वित्तीय बाजार विश्व में तीव्रतम गति से बढ़ते हुए उद्योग हैं. प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ सहयोजित भमण्डलीय अर्थव्यवस्थाओं की अनिवार्यताओं में वित्तीय बाजारों ने अपनी स्वयं की राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए और क्षणों में धन के बेजोड़ प्रवाह की सुविधा प्रदान करते हुए, अपनी अलग दुनिया बना ली है. यूरो मनी और डेरीवेटिब्स जैसे वित्तीय नवोन्मेष ने वित्तीय बाजारों में क्रांति ला दी है तथा उनके विकास को ऊर्जा प्रदान की है. बैंकिंग की परिकल्पना तेज गति से बदल रही है. बैंक, जो पहले परम्परागत वित्तीय मध्यस्थता तक सीमित थे, अब निधि और शुल्क आधारित दोनों वित्तीय सेवाओं का सम्मिश्रण प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रबिन्द बन रहे हैं. ग्राहकों की जरुरतें निरन्तर आधुनिक और जटिल हो रही हैं. स्पर्धा का दबाव इतना बढ़ गया है कि किसी खास बाजार पर केन्द्रित होने वाले विशेषीकृत बैंक या एक ही स्थान पर सभी वित्तीय सुविधाएं एक साथ प्रदान करने वाले और ग्राहकों की वित्तीय जरुरतों के सम्पूर्ण क्षेत्र की आवश्यकता को परा करने वाले सार्वभौमिक बैंक ही अस्तित्व बनाए रख सकते हैं. हम पहले से ही विलयनों (मर्जर्स) और अधिग्रहणों के माध्यम से भूमण्डलीय बाजारों मे समेकन की प्रवृत्ति को देख रहे हैं. इतना ही नहीं रोचक बात यह है कि ये विलयन कमजोर और सशक्त सत्ताओं के बीच नहीं हैं जैसा कि हम आम तौर पर सोचते हैं. बिल्क यह विलयन उन सशक्त खिलाडियों के बीच भी हो रहे हैं जो अपने से अधिक वित्तीय शक्तिसम्पन्न और कार्यनीतिक सुदृढ सत्ताओं में समाहित होना चाहतें हैं ताकि जोखिम का प्रबंधन हो सके और भमण्डलीकरण तथा वित्तीय बाजारों के एकीकरण से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाया जा सके.

वर्ष 1991-92 से आरंभ किए गए वित्तीय सुधारों द्वारा सुगम बनाए गए भारतीय वित्तीय बाजार भी भूमण्डलीय वित्तीय बाजारों के साथ तेजगति से एकीकृत हो रहे हैं. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको का, जो 90 के दशक तक बैंकिंग की आधारभूत संरचना को सदृढ करने का माध्यम थे और अब भी कारोबार में लगभग 82% बाजार शेयर के साथ भारत में बैंकिंग सेवा पर प्रभुत्व रखते हैं, चरणबद्ध रुप में परिचालनगत लचीलापन और वित्तीय स्वायतत्ता दी जा रही है. ये बैंक अपने परिचालनों की सफलतापूर्वक पुनर्संरचना और पुनर्गठन कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी शुद्ध हानियाँ 1992-93 में रु. 3368 करोड़ से 1996-97 में रु. 3095 करोड शुद्ध लाभ में परिवर्तित हो गईं. नए खिलाडियों के प्रवेश और विद्यमान खिलांडियों के लिए उदार शाखा विस्तार नीति से स्पर्धा भी कड़ी हो रही है. अन्तरराष्ट्रीय मानकों के विवेकपूर्ण मानदण्डों ने भारतीय बैंकों को उनके भूमण्डलीय प्रतिरुपों के बराबर खड़ा कर दिया है. एशियाई मुद्रा संकटों में कई बैंकों की असफलता ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली द्वारा अनुसरित परम्परागत और विवेकपूर्ण ऋण नीतियों के महत्व को आमने-सामने ला दिया है. अब, लाभकारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को स्वायता देने का प्रस्ताव उन्हें नए प्रवेशकों के साथ सफलतापूर्वक स्पर्धा करने के लिए स्तरीय खेल मैदान और भारत में सशक्त और स्पर्धात्मक बैंकिंग क्षेत्र के अविर्भाव के लिए मंच प्रदान करेगा जो व्यापार, उद्योग और विदेशी निवेशों में वृद्धि के फलस्वरूप बढते हए कारोबार अवसरों द्वारा और उत्प्रेरित होगा. पूंजी खाता परिवर्तनीयता, जब कार्यान्वित हुई थी, तो यह आशा की गई थी कि उससे विशेषकर उन भारतीय बैंको के

CHAIRMAN'S STATEMENT

Today financial markets are the fastest growing industry in the world accounting for around 21 % of the world GDP. Imperatives of globalised economies aided with advancement in technology have made financial markets, a world in their own right, transcending national boundaries, facilitating seamless flow of money in no time. Financial innovations like Euro money and derivatives have revolutionised financial markets and fueled their growth. The concept of banking is also fast changing. Banks which were earlier confined to conventional financial intermediation are now becoming nucleus for offering a richer blend of both fund and feebased financial services. Customers' needs are becoming increasingly sophisticated and complex. The pressure of competition has intensified to the extent where either specialised banks focussing on niche markets or universal banks offering one stop financial shopping, catering to the whole gamut of financial requirements of customers can only survive. We are already witnessing a trend towards consolidation in the global financial markets through mergers and acquisitions. Interestingly, these mergers are not among weak and strong entities, as we may tend to think, but among strong players to emerge still stronger-financially and strategically- to manage risks and capitalise on opportunities arising from globalisation and integration of financial markets.

Indian financial markets are fast integrating with global financial markets, facilitated by financial sector reforms initiated since 1991-92. Public sector banks which were till 90's conduits in strengthening of banking infrastructure and still dominate banking services in India with around 82% market share in business, are being given, in phases, operational flexibility and functional autonomy. These banks are successfully restructuring and reorganising their operations and as a result their net losses of Rs. 3368 crore in 1992-93 have turned into net profits of Rs.3095 crore in 1996-97. Competition is intensifying with the entry of new players and liberalised branch expansion policy for existing players. Prudential norms of international standards have brought Indian banks at par with their globa counterparts. In fact, failure of many banks in Soutl East Asian currency crises have brought to fore the importance of conservative and prudential policies follower by Indian banking system. Now, move to give profitabl public sector banks autonomy will provide them level playin field to compete successfully with new entrants and set th stage for emergence of a vibrant and competitive bankin sector in India which is further catalysed by the increasir business opportunities available from the growth in trad industry and foreign investments. Rupee convertibility (